मूल्य ₹ 1.00

www.dabangdunia.co

वर्ष-7, अंक 126

इंदौर, बुधवार, 19 दिसंबर 2018

दबंग दुनिया 2

जिंदादिल शहर का सबसे ताज़ा अख़बार

नेटवर्किंग और रिसर्च से इंडस्ट्रीज में हो रहे सकारात्मक बदलाव

विशेषज्ञों ने अपने-अपने क्षेत्र की पैनल में की चर्चा

दबंग रिपोर्टर ■ इंदौर

आईआईटी में हुई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) इंदौर ने मंगलवार को आईईईई कम्युनिकेशन सोसायटी के तहत 'इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एडवांस नेटवर्क एंड टेलीकम्युनिकेशंस सिस्टम्स' पर 12वीं कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

ये कॉन्फ्रेंस आईआईटी में 16 से 19 दिसंबर तक आयोजित की गई। इसके तीसरे दिन कई विशेषज्ञों ने अपने-अपने क्षेत्र की पैनल में चर्चा की। इसका उद्देश्य एकेडमिक रिसर्च, इंडस्ट्रियल एप्लिकेशन और गवर्नमेंट पॉलिसी के माध्यम से एकेडमी और इंडस्ट्री के बीच अच्छे संबंध बनाते हुए, बेहतर जरिया बनकर आपस में कम्युनिकेशन करना है, जिससे एकेडमी अपने परीक्षण और क्रियाशीलता प्रयोगों के परिणाम से राज्य से संपर्क में आ सके। नेटवर्किंग के जरिये अनुसंधान के साथ इंडस्ट्रीज में बदलाव हो रहे हैं, परंतु यदि रिसर्च एकेडमी से शोधकर्ता चर्चा करते हैं तो बाकी की व्यावहारिक परेशानी भी हल हो जाएगी।

इस वर्ष कॉन्फ्रेंस की थीम 'टुवर्ड्स अ हाईपर कनेक्टेड वर्ल्ड एमर्जिंग ट्रेंड्स इन आईसीटी' थी। इसमें उन्होंने प्रौद्योगिकियों की एक श्रृंखला जैसे 'इंटरनेट ऑफ थिंग्स', '5जी', 'मशीन लर्निंग', 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस', 'ब्लॉक चेन', 'वर्चुअलाइजेशन', 'क्लाउड कम्प्यूटिंग', 'सॉफ्टवेयर डिफाइन्ड नेटवर्क' पर फोकस करते हुए बताया कि स्मार्ट शहर के लिए ये प्रौद्योगिकियों को सक्षम करती है। यह आने वाले समय में हर स्मार्ट सिटी का मुख्य उद्देश्य रहेगा।

महिलाओं का विशेष सेशन

वक्ताओं की चर्चा में सामने आया कि इंदौर अब स्मार्ट सिटी बनने के लिए तैयार हो चुका है। 2018 में भारत में सबसे स्वच्छ शहर के रूप में दो बार सम्मानित किया जा चुका है। 2017 में इस कॉन्फ्रेंस की थीम थी 'बेहतर समाज के लिए समय पर परिवर्तन करना।' इस मौके पर महिलाओं के लिए मुख्य रूप से वुमन इन इंजीनियरिंग का सेशन भी आयोजित किया गया। इसमें महिलाओं को एनटेक एंड इंस्पायर वुमन टु इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी फील्ड को प्रमोट किया।

मलेशिया-यूसीमॉस स्पर्धा में शहर के अग्रिम अव्वल

दबंग रिपोर्टर ■ इंदौर

मलेशिया में आयोजित एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय यूसीमॉस कॉम्पिटिशन में इंदौर के अग्रिम जैन सभी देशों के प्रतियोगियों को कड़ी टक्कर देते हुए अव्वल आए और चैम्पियन का खिताब हासिल किया, जो शहर के लिए गौरव की बात है। इसमें 80 देशों के प्रतियोगियों ने भाग लिया था। इसमें प्रथम स्थान (चैम्पियन) प्राप्त करने पर अग्रिम के माता-पिता आशीष-रुचि जैन एवं समस्त परिवार ने शुभकामनाएं दी हैं।

खाने के लिए जीता हूं, इसलिए रोज डेढ़ घंटे दौड़ लगाता हूं

'कानपुर वाले खुरानाज' के प्रमोशन के लिए शहर आए अभिनेता अपारशक्ति खुराना ने दबंग दुनिया से साझा किए अनुभव

लक्ष्मी कोठ्यानी ■ इंदौर

दंगल, स्त्री जैसी ब्लॉक बस्टर फिल्म करने के बाद स्टार प्लस पर कॉमेडी शो 'कानपुर वाले खुरानाज' में एंकर बनकर अदाकारी से सबका दिल जीत रहे अपारशक्ति खुराना मंगलवार सुबह इंदौर में थे। एयरपोर्ट से आते वक्त उन्होंने रास्ते में अपनी कार सड़क के किनारे लगे खाने-पीने के ठेले की ओर मोड़ ली। फिर उन्होंने पोहा-जलेबी खाने की फरमाइश की। इंदौर का पोहा-जलेबी और चाय अपारशक्ति को बहुत पसंद आई।

अपार ने दबंग दुनिया से खास चर्चा कर बताया कि मैं इंदौर के आसपास शूटिंग के लिए पहले भी आ चुका हूं, और हर बार इंदौर का पोहा-जलेबी खाए बिना नहीं गया हूं। मैं हमेशा पेटभर खाना खाता हूं, क्योंकि खाने के लिए जीता हूं, लेकिन स्वादिष्ट भोजन खाने के लिए मैं रोज सुबह डेढ़ घंटा दौड़ लगाता हूं, ताकि स्वास्थ्य बेहतर रहे और फिट रह सकूं। इंदौरवासियों का स्वभाव खाने के प्रति बेहद अच्छा है। ये अतिथि के साथ आए लोगों को भी खान-पान के प्रति ध्यान देते हैं इसलिए मुझे इंदौर आना पसंद है। अपारशक्ति ने बताया कि इस क्षेत्र में आने के लिए मेरे रोल मॉडल आयुष्मान ही हैं, लेकिन मैंने कभी एक स्टार का भाई होने का फायदा नहीं उठाया। हमने निर्णय किया था कि अपनी पहचान मेहनत कर बनाएंगे। आयुष्मान ने मुझे सिखाया कि हमेशा अनुशासन में रहो और जब काम करो तो पूरी स्क्रिप्ट पढ़ो। इससे तुम्हारी अदाकारी में निखार आएगा।

पारुल असली नाम है मेरा - अपारशक्ति ने बताया मेरा असली नाम पारुल है, जो मेरी मामी ने दिया था। कुछ वर्ष बाद पिता ने अपारशक्ति रख दिया। इसी तरह बड़े भाई आयुष्मान का नाम निशांत था। पिता ज्योतिषी हैं, उन्होंने हमारे नाम बदले हैं। अपारशक्ति ने बताया मेरी मां का नाम पूनम और पिता का वीरेंद्र खुराना है। शादी के बाद मां का नाम बदलने के लिए मेरी दादी ने कहा तो पिता ने कहा कि यदि उनका नाम बदलेगा, तो मैं पूनम का 'प' अपने नाम के आगे लगाऊंगा। आज तक मेरे पिता पी. खुराना के नाम से पहचाने जाते हैं।

'साला खड़ूस' मेरी पहली फिल्म है

अपने कॅरियर के शुरुआती दिनों के बारे में अपारशक्ति ने बताया कि मैं आरजे बनने से पहले आरजे के लिए स्क्रिप्ट लिखता था। उसके बाद आरजे बना, फिर थिएटर करने के बाद मैं एक्टिंग में आया। मेरी पहली फिल्म 'दंगल' नहीं, 'साला खड़ूस' थी, लेकिन हिट न होने के कारण कई बड़े कलाकारों ने मुझे कहा कि तुम हमेशा दंगल को ही पहली फिल्म बताना। मैंने सोचा कि यदि दो बच्चों में से एक नहीं चलेगा, तो इसका मतलब ये नहीं कि मैं उसे अपना बेटा नहीं मानूंगा। मैंने उस फिल्म से बहुत कुछ सीखा, इसलिए दंगल फिल्म में आमिर खान के अपोजिट काम कर पाया हूं।

आमिर ने युवाओं को मौका दिया

कुछ साल पहले मैं फुटबॉल खेलने के लिए मैदान पर गया था, वहां दंगल के ऑडिशन चल रहे थे। मेरे दोस्त ने बताया कि उन्हें एक स्पोर्ट्स एक्टर चाहिए, इसलिए मैं ऑडिशन देने गया, लेकिन चार माह तक कोई रिप्लाय नहीं आया। जब पता चला कि मैं आमिर खान की फिल्म में चुन लिया गया हूं तो मेरी खुशी का ठिकाना नहीं था। आमिर ही ऐसे अभिनेता हैं, जिन्होंने पूरी टीम में हर नए चेहरे को प्लेटफॉर्म दिया। मैंने उनके साथ कई साल बिताए और उन्हें अपना गाॅड मानने लगा, इसलिए फिल्म दंगल में हमारी जोड़ी में इतना प्यार दिखा दिया गया है।